

प्रेषक,

टीकम सिंह पंवार,
संयुक्त सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
सिंचाई विभाग, उत्तरांचल,
देहरादून।

सिंचाई विभाग

देहरादून : दिनांक 24 मार्च, 2006

विषय : वित्तीय वर्ष 2005-06 में जिला योजना के अन्तर्गत लघुडाल
हेतु पुनर्विनियोग द्वारा धनावंटन।

महोदय,

उपरोक्त विषयक के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि संलग्न प्रपत्र बी0एम0-15 के कालम-5 पर अंकित योजना के लिए बजट प्राविधान कम होने के कारण संलग्नक में अंकित विवरणानुसार अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से व्यावर्तन द्वारा रु0 49.70 लाख (रुपये उनचास लाख सत्तर हजार मात्र) की धनराशि के व्यय करने की स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- सम्बन्धित धनराशि का व्यय केवल उसी योजना के अन्तर्गत किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति जारी की जा रही है। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 2- धनराशि व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृति एवं कार्यों के प्राक्कलन सक्षम अधिकारी से अवश्य स्वीकृत करा लिये जाय।
- 3- उक्त व्यय में बजट मैन्युअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, टैंडर, कुटेशन विषयक नियम तथा शासन द्वारा मितव्यता के विषय में समय-समय पर जारी किये गये आदेशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाय।
- 4- जहाँ आवश्यक हो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व भूगर्भ वैज्ञानिक से उपयुक्तता के सम्बन्ध में आख्या प्राप्त कर ली जाय तथा कार्यों के सम्बन्ध में यथोचित भूकम्प निरोधी तकनीकी का प्रयोग किया जाय।
- 5- स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार निर्धारित तिथि तक महालेखाकार उत्तरांचल राज्य सरकार एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।

क्रमशः.....2

- 6- कार्य की समय बद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 7- विभागीय कार्य करने से पूर्व सिंचाई विभाग की दरों पर आगणन गठित कर एवं तकनीकी अधिकारियों की संस्तुति के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा तथा पुनर्विनियोग के कालम-1 की बचतों से वहन किया जायेगा।

इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 के आय-व्यय की अनुदान सं०-20 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 4700-मुख्य सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय, 07-उत्तरांचल की लघुडाल नहरों का पुनरोद्धार, आयोजनागत, 800-अन्य व्यय आयोजनागत, 02-अन्य रख रखाव व्यय, 01-निर्माण कार्य, 24-बृहद निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 501 (क)/XXVII (2)/06 दिनांक 24 मार्च, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न : यथोक्त।

भवदीय,

(टीकम सिंह पंवार)
संयुक्त सचिव

संख्या-1333/11-2006-03(13)/05, तदुदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखकार, उत्तरांचल।
- 2- वित्त अनुभाग-2।
- 3- श्री एम०एल० पन्त, अपर सचिव, वित्त, बजट, अनुभाग, उत्तरांचल शासन।
- 4- नियोजन विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 5- निजी सचिव, भा० मुख्यमंत्री।
- 6- अधिशासी निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 7- जिलाधिकारी/कोषाधिकारी, अल्मोडा।
- 8- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 9- गार्ड फाईल।

संलग्न : यथोक्त।

(महावीर सिंह चौहान)
अनु सचिव

1	2	3	4	5	6	7	8
अध्यावधिक व्यय 02/06 तक	अनुमानित व्यय						
4700-मुख्य सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय				4700-मुख्य सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय			(क) केन्द्र सरकार से धनराशि होने के कारण।
12-जल स्रोतों का पुनर्निर्माण, आयोजनागत				07-उत्तरांचल की लघुहाल नहरों का पुनर्रोवार			(ख) जनपद अल्मोड़ा में जिला योजना अन्तर्गत जनता नहरों लिफ्ट योजना, तराई लिफ्ट सिंचाई योजना नाली लिफ्ट योजना हेतु क्रमशः 52, ₹0 20.00 एवं ₹0 8.18 ल आवश्यकता है।
800-अन्य व्यय				800-अन्य व्यय			
02-अन्य रख रखाव व्यय				02-अन्य रख रखाव व्यय			
01-पेयजल स्रोतों पुनर्निर्माण				0201-निर्माण कार्य			
24-बृहद निर्माण कार्य ₹0 31500				24-बृहद निर्माण कार्य ₹0 4970 (ख)	16970	26530	
योग ₹0 31500			31500	4970	16970	26530	

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट अनुमान परिच्छेद 150,151,155 एवं 156 में उल्लिखित प्रावधानों का उल्लंघन नहीं होता है।

(महावीर सिंह चौहान)
अप सचिव

उत्तरांचल शासन

वित्त अनुभाग-2

संख्या - 501 (क)/XXVII(2)/2005-06

देहरादून दिनांक मार्च, 2006

सेवा में,

महालेखाकार उत्तरांचल, देहरादून।

सं-1)333/11-2006-03(13)/05 दिनांक 24/ मार्च, 2006

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाएँ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित -

- 1- वित्त अनुभाग-2।
- 2- जिलाधिकारी/कोषाधिकारी अल्मोड़ा उत्तरांचल।
- 3- मुख्य अभियन्ता एवं विभागध्यक्ष, सिंचाई विभाग, उत्तरांचल।

पुनर्विनियोग स्वीकृत

(टी0एन0 सिंह)
अप सचिव (वित्त)

(महावीर सिंह चौहान)
अप सचिव।